www.a2zpapers.com

Exam. Code : 216304
Subject Code : 4473

M.A. Hindi 4th Semester

ADHUNIK GADYA SAHITYA

Paper—XVII

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

निर्देश :— दो खण्डों में विभाजित इस प्रश्न-पत्र के निर्देशानुसार उतर दीजिए।

खण्ड—एक

नोट :— यह खण्ड दो उपखण्डों में विभाजित है। निर्देशानुसार उतर दीजिए।

उपखण्ड-क

नोट :— निम्नलिखित किन्हीं **चार** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। प्रत्येक व्याख्या **6** अंकों की है।

1. किसी माने में नहीं। मैं इस घर में एक रबड़-स्टैंप भी नहीं, सिर्फ एक रबड का टुकड़ा हूँ—बार-बार घिसा जाने वाला रबड़ का टुकड़ा। इसके बाद क्या कोई मुझे वजह बता सकता है, एक भी ऐसी वजह, कि क्यों मुझे रहना चाहिए इस घर में ?

2. इतने साधारण ढंग से उड़ा देने की बात नहीं है, अंकल ! मैं यहां थी, तो मुझे कई बार लगता था कि मैं एक घर में नहीं, चिड़ियाघर के एक पिंजरे में रहती हूं जहाँ.... आप शायद सोच

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

भी नहीं सकते कि क्या-क्या होता रहा है यहाँ। डैडी का चीखते हुए ममा के कपड़े तार-तार कर देना ·····उनके मुँह पर पट्टी बांधकर उन्हें बंद कमरे में पीटना·····

3. कहो हैं, दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है ! केवल उतना ही याद रखती है, जितने में उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंक कर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है। अशोक का वृक्ष चाहे जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकरमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत-सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक।

4. भीष्णता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता, प्रचण्डता और मृदुता का सामंजस्य ही लोक धर्म का सौन्दर्य है। आदि कवि वाल्मीकि की वाणी इसी सौन्दर्य के उद्घाटन महोत्सव का दिव्य संगीत है। सौन्दर्य का यह उद्घाटन असौन्दर्य का आवरण हटा कर होता है। धर्म और मंगल की वह ज्योति अधर्म और अमंगल की घटा को फाड़ती हुई फूटती है।

5. आत्महत्या के इस विचार का परिणाम यह हुआ कि हम दोनों जूठी बीड़ी चुराकर पीने और नौकर के पैसे चुराकर बीड़ी खरीदने और फूंकने की आदत भूल गए। फिर बड़ेपन में बीड़ी पीने की इच्छा नहीं हुई। मैंने हमेशा यह माना है कि यह आदत जंगली, गन्दी और हानिकारक है। दुनिया में बीड़ी का इतना जबरदस्त शौक क्यों है, इसे मैं कभी समझ नहीं सका हूँ।

6. रम्भा हमारे परिवार की पुरानी नौकरानी थी। उसका प्रेम मुझे आज भी याद है। मैं उपर कह चुका हूँ कि मुझे भूत-प्रेत आदि का डर लगता था। रम्भा ने मुझे समझाया कि इसकी दवा रामनाम

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

है। मुझे तो रामनाम से भी अधिक श्रद्धा रम्भा पर थी, इसलिए बचपन, में भूत-प्रेतादि के भय से बचने के लिए मैंने रामनाम जपना शुरू किया।

उपखण्ड—ख

नोट :— निम्नलिखित किन्हीं **चार** लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **6** अंकों का हैं।

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का सामान्य परिचय दीजिए।
2. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए।
3. आत्मकथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए।
4. आधे-अधूरे नाटक की विचारधारा स्पष्ट कीजिए।
5. आधे-अधूरे नाटक की भाषागत उपलब्धियों को रेखांकित कीजिए।
6. 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' निबंध में उपेक्षित पात्रों का सरोकार स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—दो

नोट :— निम्नलिखित किन्हीं **दो** विस्तृत प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंकों का है।

1. 'अशोक के फूल' निबंध में वर्णित भारतीय संस्कृति पर सोदाहरण विचार कीजिए।
2. 'मेरी आत्मकथा' के संदर्भ में गांधी का व्यक्तित्व विश्लेषण कीजिए।
3. 'आधे-अधूरे नाटक मध्यवर्गीय पारिवारिक जीवन की त्रासदी है'— सिद्ध कीजिए।

www.a2zpapers.com